

अलंकरण 2) KATHÁS. 61, 24. 73, 163. प्रीवालंकरण HALÁS. 2, 403. Am Ende eines adj. comp. f. आ KATHÁS. 73, 160.

अलंकरणान् (von अलंकरण) adj. einen Schmuck besitzend KATHÁS. 61, 28.

अलंकार (so zu betonen) 1) WILSON, Sel. Works 1, 148. — 2) TBR. 2, 3, 10, 2. — 3) Redeschmuck, Redefigur: काव्यानामलंकाराः KÁVYÁD. 1, 10. Verz. d. Oxf. H. 7, b, 17. 211, a, 1. शब्दार्थयोर्स्थिरा ये धर्माः शोभा-  
तिशायिनः । रसादीनुपकुर्वन्तो ऽलंकारास्ते ऽङ्गदादिवत् ॥ ŚĀU. D. 631.  
Vgl. अर्थालंकार und शब्दालंकार.

अलंकारकौस्तुभ (अ + कौ) m. Titel eines Werkes Verz. d. Oxf. H. 209, b. 210, a.

अलंकारचन्द्रिका (अ + च) f. desgl. Verz. d. Oxf. H. 201, a, No. 480. HALL 173.

अलंकारमञ्जरी (अ + म) f. desgl. Verz. d. Oxf. H. 210, a, No. 493.

अलंकारमाला (अ + मा) f. desgl. ebend. 387, a, No. 312.

अलंकारवत्, der 9te Lambaka ऽवती so benannt nach einer Tochter des Vidjádharma-Fürsten Alamikāraçila KATHÁS. 31, 22.

अलंकारविमर्शिनी (अ + वि) f. Titel eines Werkes Verz. d. Oxf. H. 210, a, No. 493 (विमर्शिणी).

अलंकारवृत्ति (अ + वृ) f. desgl. ebend. 207, b, No. 488. — Vgl. काव्यालंकारवृत्ति.

अलंकारशील (अ + शील) m. N. pr. eines Fürsten der Vidjádharma KATHÁS. 31, 15.

अलंकारशेखर (अ + शे) m. Titel eines Werkes Verz. d. Oxf. H. 206, b, 17.

अलंकारसर्वस्व (अ + स) n. desgl. ebend. 113, b, 11. 126, a, 10. 210, a, No. 493.

अलंकारावतार (अलंकार + अ) m. desgl. ebend. 246, b, No. 622. HALL 162.

अलंकारोपाध्याय (अलंकार + उ) m. N. pr. eines Mannes WASSILJEV 290.

अलंकार्य (von 1. कर with अलम् adj. was geschmückt werden soll, — wird ŚĀU. D. 263, 5. ऽत्र n. nom. abstr. 103, 12.

अलंकाल m. = अलंकार Schmuck NALOD. 2, 52.

अलंकृति 1) KATHÁS 73, 339. 73, 71. — 2) KÁVYÁD. 1, 19. ŚĀU. D. 238. नायालंकृतयः 433. 471.

अलंक्रिया Schmuck der Rede: देविर्मुक्तं गुणैर्मुक्तमपि येनोक्तिं वचः । स्त्रीव्रपमिव नो भाति तं ब्रुवे ऽलंक्रियोच्चयम् ॥ Verz. d. Oxf. H. 214, a, No. 309.

अलन, ऽचित् TS. 5, 4, 11, 1. KĀṬH. 21, 4.

अलन्तम (von अलम्) adj. gar wohl vermögend, mit infln. BUŁG. P. 6, 17, 37.

अलपद्म अल + पद्म) m. eine best. Stellung der Hand Verz. d. Oxf. H. 86, a, 27. 202, a, 30 und N. 1. अलपद्मक 3.

अलपद्मव (अल + प) m. = अलपद्मक ebend. 202, a, 3.

अलब्धभूमिक (3. अ - लब्ध - भूमिका) adj. nicht Fuss gefasst habend, nicht erreicht habend; davon nom. abstr. ऽत्र n. JOGAS. 1, 30.

अलम्, पुरुषैरलमर्थस्ते विदितैः कुलशीलतः in hohem Grade, gar sehr MBu. 15, 187. निष्फलत्वमलं याति Spr. 3738. प्रीतिमाविष्कारेत्यलम् 630. उत्तमं मुचिरं नैव विपदो ऽभिवचत्यलम् DĀSUTĀNTAÇ. 79 in HAEB. Anth. 224. कामानामपि दातारम् — न मृष्यति स्वभर्तारमलं स्त्रियः können

ihn durchaus nicht leiden MBu. 13, 2228. — 1) नालं मुखाय मुह्ये नालं दुःखाय शत्रवः । न च प्रज्ञालमर्थेभ्यो (अर्थानां v. l.) न मुखेभ्यो कृलं (मुखा-  
नामलं v. l.) धनम् Spr. 4434. — 7) a) bewirken, hervorbringen: तप-  
स्तीर्थं जपो दानं पवित्राणीतराणि च । नालं कुर्वति तौ सिद्धिं वा ज्ञानक-  
लया कृता ॥ BUŁG. P. 11, 19, 4. — b) mod. sich schmücken ÀÇV. GRH. 1, 8, 10. — Z. 3 lies 11, 5, 2, 4 st. 9, 3, 2, 4. — अलंकृत KĀND. UP. 8, 8, 2. स्वलंकृत MBu. 3, 7321. — 8) mit gen.: अलं प्रजायाः PAÑKAV. BR. 18, 3, 9. अलम्पट (3. अ + ल) adj. nicht lüstern, keusch BUŁG. P. 3, 14, 48. 22, 2. Die angegebene Etymologie nebst Bedeutung und Stelle zu streichen.

अलंप्रव्रनन (अलम् + प्र) adj. zuegungsfähig ÀÇV. ÇU. 9, 7, 22.

अलम्बम् (3. अ + ल) absol. ohne sich auf Etwas zu stützen d. i. in Fluge, durch die Luft fliegend: सो ऽलम्बं तीर्थमासाद्य MBu. 1, 1377.

अलम्बुष 1) b) lies eine best. Pflanze st. Erbrechen und streiche das Eingeklammerte. — c) MBu. 7, 4065. 4072. — 2) c) MBu. 9, 2931. fgg. KATHÁS. 121, 116. — d) Bez. einer best. Ader Verz. d. Oxf. H. 236, b, 1. 8.

अलम्भ m. N. pr. eines Mannes PAÑKAV. BR. 13, 4, 11. 10, 8.

अलंमनस् (अलम् + म) adj. befriedigt BUŁG. P. 10, 8, 25.

अलर्क 1) Verz. d. Oxf. H. 309, a, 18 und N. 1. — 2) MBu. 12, 87. — 4) MBu. 3, 957. 14, 840. R. 2, 12, 40. MĀRK. P. 16, 2. fgg. (hier fälschlich अलर्क gedr.). 26, 13. 14. 23. — Vgl. दीर्घालर्क.

अलस 1) नालसाः प्रायुवत्यर्थान् Spr. 1336. अलसस्य कुतो विद्या 3008. निद्रालसेतण RĀĠA-TAR. 3, 408. आवासः विल किंचिदेव दयितापार्श्वे विलामालसः Spr. 393. Auch = अलसस्य Schlafheit u. s. w.: सालसैर्दृष्टिपतैः R. 6, 30. — Sp. 460, Z. 1 मदालसा PRAB. 43, 3 ist N. pr. — Vgl. मदालस, मदालस.

अलसक Verz. d. Oxf. H. 304, a, 22. 312, b, 7.

अलात, अलातं तिन्दुकस्येव मुहूर्तमपि किं इत्यल । मा तुषामिद्विद्यान-  
चिर्ध्यामायस्व त्रिज्ञीविषुः ॥ MBu. 3, 4507. Spr. 4731. VARĀH. BRH. S. 89, 1. Z. 4 lies GAUDAPĀDA'S.

अलाताती (अलात + अत Auge) f. N. pr. einer der Mütter im Gefolge Skanda's MBu. 9, 2626.

अलावु 1) n. die Frucht: मल्लत्यलावूनि शिलाः प्रवत्ते MBu. 2, 2196. ऽवीणा ÇIKSHĀ 28 in Ind. St. 4, 353.

अलावुक n. Flaschengurke (die Frucht) AV. 20, 132, 2.

अलावुकेश्वर (अलावुक oder ऽका + ई) n. N. pr. eines Tirtha Verz. d. Oxf. H. 77, b, 15.

अलाट्य Z. 2 lies पवस्व st. पवस्य.

अलास्य lies nicht tanzend und vgl. noch न लब्धलास्यानि गतानि दं-  
सवत् Spr. 1337.

अलिक्रातीर्थ n. N. pr. eines Tirtha Verz. d. Oxf. H. 67, b, 18.

2. अलिङ्ग keine Kennzeichen habend JOGAS. 1, 45. 2, 19. WEBER, RĪ-  
MAT. UP. 338.

अलिन् 1) der Scorpion im Thierkreise VARĀH. BRH. S. 3, 40. 40, 5. — 2. Spr. 4687. BUŁG. P. 10, 13, 6. Die Biene ist wie der Scorpion nach ihrem Stachel benannt.

अलिनी Bienenschwarm BUŁG. P. 10, 34, 35.

अलिन्द 1) UĞÉVAL. zu UÑĀDIS. 4, 85. VARĀH. BRH. S. 33, 32. fgg. MĀLAV. 54, 20 (im Prākṛit). pl. ÇC. 3, 48. — 2) die neuere Ausg. des VP. (II.